कृषिवानिकी मृदा संरक्षण का व्यवहारिक विकल्प

झाँसी 05 दिसम्बर, 2021। आज केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें भूमि-सुधार के लिए कृषिवानिकी प्रणाली के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोजन में भाग ले रहे विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र/छात्राओं एवं कार्यर्त वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुऐ संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि विश्व स्तर पर कृषिवानिकी प्रणाली का मुख्य उद्देश्य भूमि सुधार एवं मृदा क्षरण को रोककर इसकी उर्वरता को बनाए रखना है, जिससे कृषि उत्पादकता सतत् रूप से प्राप्त की जा सके। उन्होंने बताया कि बुन्देलखण्ड क्षेत्र की भूमि ऊबड़-खाबड़ है एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति क्षीण है, इसलिए इस क्षेत्र में कृषिवानिकी का विशेष महत्व है। सन् 2021 के विश्व मृदा दिवस के आयोजन का मुख्य विषय है- मिट्टी का लवणीकरण रोकर उत्पादकता को बढ़ाना। इस उद्देश्य की पूर्ति में कृषिवानिकी के तहत खेतों पर रोपित पेड़, मृदाक्षरण को रोकने, जलधारण क्षमता बढ़ाने तथा लकड़ी, चारा, फल इत्यादि पैदाकर कृषक के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, प्रादेशिक केन्द्र, दतिया के केन्द्राध्यक्ष डॉ. आर. एस. यादव ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में मृदा स्वास्थ पर विस्तार से चर्चा करते हुये विभिन्न कारकों का उल्लेख किया, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब करते हैं। उन्होंने बताया कि हम सभी को मृदा में जीवाश्म की मात्रा बढ़ाने हेतु प्रयास करना होगा एवं प्रबन्धन के नये आयाम अपनाने होंगे।

इस अवसर पर डॉ. के राजराजन ने संस्थान में "डी.एन.ए. आईसोलेशन एण्ड पी.सी.आर. टैक्निकस् इन प्लांट बायो-टैक्नोलोजी" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में भाग ले रहे देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये हुये 23 प्रतिभागियों का ब्यौरा बताया एवं मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाणपत्र (सर्टीफिकेट) प्रदान किये गये। कार्यक्रम की शुरूआत परिषद के कुलगीत से हुई। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कार्यक्रम का संचालन एवं डॉ. ए. के. हाण्डा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

HANDS-ON TRAINING
ON
ISOLATION AND PCR TECHNIQUES
IN
PLANT BIOTECHNOLOGY
3-5 DECEMBER, 2021

World Soil Day
5 - December, 2021
HANDS-ON TRAINING
ON
DNA ISOLATION AND PCR TECHNIQUES
IN
PLANT BIOTECHNOLOGY
3-5 DECEMBER, 2021
ICAR-CENTRAL AGROFORESTRY RESEARCH INSTITUTE, JHANSI (UP)

World Soil Day